सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" संसार में सबसे ताकतवर व्यक्ति वहीं है जो धोखा खाने के बाद भी लोगों की भलाई करना नहीं छोड़ता...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–281 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

MLC चुनाव : 28 सीटों के नतीजों ने बदले सियासी संकेत



आलोक तिवारी / नईदिल्ली-पटना

चार राज्यों की विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव के परिणामों ने राष्ट्रीय राजनीति में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं। स्थानीय निकाय कोटे की इन सीटों को अक्सर विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जाता है, और इस बार के नतीजे सत्तापक्ष के लिए चेतावनी के तौर पर देखे जा रहे हैं।

बिहार: खड़ऊ में जीत के बाद बढ़ा अंतर्द्वंद्व

सबसे ज्यादा चर्चा बिहार की है। मोकामा क्षेत्र में बाहुबली नेता अनंत सिंह को हराकर नीरज सिंह की जीत ने JDU के अंदर की गुटबाजी को सतह पर ला दिया है। यह जीत सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि JDU में नीतीश कुमार के बाद की लीडरशिप को लेकर चल रहे संघर्ष का प्रतीक है। कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का अनंत सिंह के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष के पास सदस्यता रद्द करने का आवेदन देना बताता है कि पार्टी अब 'बाहुबली बनाम सुशासन' की अपनी पुरानी छवि को फिर से स्थापित करना चाहती है। यह 2025 विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में अनुशासन का संदेश भी है।

भाजपा के लिए गढ़ में झटका – नागपुर और वाराणसी

नतीजों का सबसे बड़ा संदेश भाजपा के लिए है।

नागपुर: RSS मुख्यालय और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का गढ़। यहां हार संगठनात्मक कमजोरी और स्थानीय स्तर पर नाराजगी का संकेत है। यह हार महायुति में सहयोगी दलों के वोट ट्रांसफर न होने की कहानी भी कह रही है।

वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र की दोनों टछउ सीटें हारना भाजपा के लिए प्रतीकात्मक रूप से बड़ा झटका है। शिक्षक और स्नातक कोटे की ये सीटें आमतौर पर भाजपा का मजबूत किला मानी जाती हैं। यहां समाजवादी पार्टी ने 5 सीटों तक अपनी संख्या बढ़ाकर पूर्वांचल में अपनी जमीन मजबूत होने का संकेत दिया है।

केंद्रीय नेतृत्व की चिंता: दोनों ही हार विचारधारा या मोदी फैक्टर से ज्यादा स्थानीय संगठन और उम्मीदवार चयन की विफलता को उजागर करती हैं, जिसकी समीक्षा के लिए दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू हो गया है।

महाराष्ट्र: महायुति में समन्वय की कमी

नागपुर की हार ने महायुति गठबंधन – भाजपा, शिंदे शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी – के बीच समन्वय की कमी को उजागर कर दिया है। सूत्रों के अनुसार तीनों दलों के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे के उम्मीदवारों के लिए खुलकर काम नहीं किया। पुणे में बुलाई गई आपात बैठक इसी अंदरूनी खींचतान को संभालने की कोशिश है।

विपक्ष की नई रणनीति: फोकस चुनाव आयोग पर

दिल्ली में राहुल गांधी की 'ऑफ द रिकॉर्ड' बैठक और 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली से साफ है कि कांग्रेस और क्टअक्ष गठबंधन अब अपनी लड़ाई को एग्रट से हटाकर सीधे चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर केंद्रित करना चाहता है। टछउ जैसे अप्रत्याशित चुनावों के नतीजों को आधार बनाकर विपक्ष मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाकर अपना नैरेटिव मजबूत करने की कोशिश में है। ये 28 सीटें संख्या में छोटी लग सकती हैं, लेकिन इनके राजनीतिक संदेश बड़े हैं। भाजपा के लिए यह स्थानीय स्तर पर आत्ममंथन का समय है, खड़ऊ के लिए आंतरिक अनुशासन का और विपक्ष के लिए अपनी नई रणनीति को परखने का।

एमडी साइकियाट्री में डॉ. अंकिता झंवर ने हासिल किया गोल्ड मेडल

दुर्ग – दुर्ग निवासी बालकिशन झंवर महेश सेवा निधि ट्रस्ट छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं शांति देवी झंवर की पौत्री डॉ. अंकिता झंवर ने एमडी साइकियाट्री में गोल्ड मेडल हासिल कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ–साथ दुर्ग एवं साजा क्षेत्र में भी हर्ष का माहौल है। डॉ. अंकिता की इस सफलता को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। डॉ. अंकिता झंवर, दुर्ग निवासी बालकिशन झंवर महेश सेवा निधि ट्रस्ट छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं शांति देवी झंवर की पौत्री और साजा निवासी राजेश झंवर एवं शीला झंवर की सुपुत्री हैं। एमडी साइकियाट्री में गोल्ड मेडल प्राप्त कर उन्होंने अपने परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता पर परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। डॉ. अंकिता की इस उपलब्धि को लेकर शुभचिंतकों ने कहा कि चिकित्सा जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही एमडी साइकियाट्री में गोल्ड मेडल प्राप्त करना उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और समर्पण को दर्शाता है। परिजनों ने उनकी सफलता पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर सफलता की कामना की है।

रायपुर पुलिस कमिश्नर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर





पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के नॉर्थ जोन एवं अउउ में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

हत्या एवं अपहरण के मामलों का खुलासा, चोरी की संपत्ति की बरामदगी, अवैध हथियार जब्ती तथा साइबर ठगी के पीड़ितों को राशि वापस दिलाने में उत्कृष्ट कार्य करने पर यह सम्मान दिया गया।

थाना खमतराई: वैज्ञानिक साक्ष्य और उठअ प्रोफाइल के आधार पर हत्या का खुलासा कर 3 आरोपी गिरफ्तार। प्रतीक राय अपहरण कांड में 24 घंटे के भीतर यूपी के मिर्जापुर से अपहृत को सकुशल बरामद किया।

थाना गुढ़ियारी: ज्वेलरी दुकान चोरी में 2 आरोपी गिरफ्तार, 11,58,251 की संपत्ति बरामद। एक आरोपी से देशी पिस्टल और मैगजीन जब्त। डेढ़ साल के अपहृत बालक को 6 घंटे के भीतर नागपुर से बरामद किया।

साइबर ठगी में सराहनीय कार्य: थाना गुढ़ियारी के आरक्षक केदार सिंह राजपूत को टफ्ट पोर्टल के माध्यम से पूरे कमिश्नरेट में सर्वाधिक साइबर ठगी पीड़ितों की राशि वापस दिलाने के लिए विशेष सम्मान दिया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले, डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला, डीसीपी नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप, एडिशनल DCP आदित्य पांडे, एसीपी पंडरी कृष्ण कुमार चंद्राकर एवं एसीपी उरला सुश्री पूर्णिमा लामा उपस्थित रहीं।

कमिश्नर डॉ. शुक्ला ने सभी सम्मानित अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी तत्परता और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का बड़ा फैसला

DA में 2% की बढ़ोतरी, 5.35 लाख कर्मचारी-पेंशनरों को लाभ



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीपावली से पहले प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी सौगात दी है। राज्य सरकार ने महंगाई भत्ता (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय लिया है।

1 नवंबर से 60 प्रतिशत होगा DA

वृद्धि के बाद 1 नवंबर 2026 से महंगाई भत्ता और महंगाई राहत की दर 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी।

5.35 लाख लोगों को सीधा लाभ

इस निर्णय से प्रदेश के 3.85 लाख शासकीय कर्मचारी और 1.50 लाख पेंशनर, कुल 5.35 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

सरकार पर 432 करोड़ का अतिरिक्त भार

DA-DR में वृद्धि से राज्य सरकार पर प्रतिमाह 36 करोड़ और सालाना 432 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति संवेदनशील है। दीपावली से पहले लिया गया यह निर्णय आर्थिक राहत के साथ उनके परिवारों में त्योहार की खुशियां बढ़ाएगा।

शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों में तेजी लाएं: मुख्य सचिव विकासशील

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शासकीय योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास कार्यों की गहन समीक्षा की गई। सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। निराकरण के बाद जानकारी सुशासन एवं अभिसरण विभाग को अनिवार्य रूप से दी जाए। राजस्व विभाग को निर्देश दिया कि 15 नवंबर से पहले सभी फसलों की गिरदावरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाए। इसकी जानकारी ग्राम सभा में दी जाए। यदि किसी किसान की गिरदावरी छूट गई है तो वह ग्राम सभा में आवेदन देकर इसे पूरा करा सकता है।

लोक निर्माण विभाग अधूरे शासकीय भवनों, सड़कों, पुल-पुलियों का काम समय पर पूरा करे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नल–जल योजना और जल जीवन मिशन में तेजी लाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति विकास, वन विभाग स्वीकृत सभी निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करें। नगरीय प्रशासन और परिवहन विभाग नगरीय क्षेत्रों में सुगम आवागमन के लिए परिवहन कार्ययोजना बनाए। पारस पोर्टल के एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा हुई। जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 में बिना विलंब प्रगति लाने को कहा। कर्मचारी चयन मंडल से भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी करने के लिए सभी विभागों को प्रस्ताव शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। संस्कृति विभाग से राज्योत्सव की तैयारियों की जानकारी भी ली गई।

बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव शहला निगार, सचिव रोहित यादव, रीना बाबा साहेब कंगाले, मुकेश कुमार, राहुल भगत सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एएनटीएफ बालोद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से हेरोइन और देशी पिस्टल बरामद, आरोपी गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ANTF बालोद पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ और हथियार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नया बस स्टैंड के पीछे खड़ी कार से हेरोइन (चिट्टा) और देशी पिस्टल बरामद की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि नया बस स्टैंड बालोद के पीछे सफेद रंग की टाटा हेक्सा कार क्रमांक **CG 17 KM 4455** में चालक हेरोइन और पिस्टल रखे हुए है।

सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार की तलाशी ली। चालक सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम लीनेश बंसोड़ उर्फ बाडू (25 वर्ष), निवासी वार्ड 21, रेलवे कॉलोनी, राजहरा, थाना दल्लीराजहरा बताया।

तलाशी में डैशबोर्ड के अंदर से लगभग 6.40 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) और एक देशी पिस्टल बरामद हुई। आरोपी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जब्त सामग्री में हेरोइन (6.40 ग्राम) – कीमत 1,28,000 रुपए, देशी पिस्टल – 50,000 रुपए, मोबाइल फोन – 5,000 रुपए, टाटा हेक्सा कार – 10,00,000 रुपए, कुल कीमत – 11,83,000 रुपए शामिल हैं।

आरोपी के खिलाफ थाना बालोद में NDPS एक्ट की धारा 22(ख) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शिशुपाल सिन्हा, आरक्षक बनवाली साहू, चुलेन्द्र कुर्रे, भूपेश साहू, संजय सोनी और ANTF टीम की सराहनीय भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ में ED-EOW की बड़ी कार्रवाई, रायपुर–बिलासपुर–राजनांदगांव में एक साथ दबिश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-राजनांदगांव



छत्तीसगढ़ में शुक्रवार सुबह जांच एजेंसियों की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया। प्रवर्तन निदेशालय (ED) और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) की टीमों ने रायपुर, बिलासपुर और राजनांदगांव में कई ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। सुबह 7 बजे से शुरू हुई कार्रवाई देर तक जारी रही।

रायपुर में 3-4 ठिकानों पर ED की दबिश: राजधानी रायपुर में ED की टीम ने 3 से 4 ठिकानों पर छापेमारी की। प्रारंभिक सूचना के अनुसार कार्रवाई CGMSC घोटाले और कोल लेवी मामले से जुड़ी बताई जा रही है। टीम दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड खंगाल रही है। अनवर ढेबर के ठिकाने पर भी दबिश की चर्चा है।

राजनांदगांव में शराब घोटाले में 2 कारोबारियों के यहां जांच: राजनांदगांव में शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में दो कारोबारियों के ठिकानों पर जांच एजेंसी पहुंची। यहां भी दस्तावेजों की जांच की जा रही है।



बिलासपुर में भी कार्रवाई: बिलासपुर में भी दबिश की खबर है, हालांकि वहां किसके यहां कार्रवाई हुई है इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल सभी मामलों में जांच एजेंसियों के आधिकारिक बयान का इंतजार है।

वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली के लिए दिल्ली रवाना हुए छग के दिग्गज कांग्रेस नेता





नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली कांग्रेस की विशाल वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का दिल्ली पहुंचना शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा शुक्रवार को रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। यह महारैली लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के मुद्दे पर केंद्रित है। इसमें मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, SIR और वोट के अधिकार से जुड़े सवालों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा। रैली में छत्तीसगढ़ से नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, अरुण वोरा, पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन, सांसद ज्योत्सना महंत, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, बालोद विधायक संगीता सिन्हा, कसडोल विधायक संदीप साहू और संदीप वोरा सहित अनेक वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने वाली इस महारैली में देशभर के कांग्रेस और INDIA गठबंधन के नेता जुटेंगे और राहुल गांधी की आवाज को बुलंद करेंगे।

चक्रवात 'अर्नब' का कहर : मुख्यमंत्री साय ने कहा- किसानों को मिलेगी आर्थिक सहायता

रायपुर। प्रदेश में आए चक्रवात 'अर्नब' और इसके चलते हुए बेमौसम बारिश व आंधी-तूफान ने राज्य के कई क्षेत्रों में फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है। खेतों में खड़ी और पकी फसलों के तबाह होने से राज्य के किसान संकट की स्थिति में हैं। इस प्राकृतिक आपदा के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बेहद संवेदनशीलता दिखाते हुए प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा है कि इस संकट की घड़ी में राज्य सरकार अपने किसान भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। फसलों को हुए नुकसान का सही आकलन करने और प्रभावितों तक समय पर राहत पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशासनिक अमले को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। उन्होंने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीमें बनाकर तत्काल प्रभावित खेतों का दौरा करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि क्षति का पारदर्शी और त्वरित सर्वेक्षण कराया जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान सरकारी सहायता से वंचित न रहने पाए। गिरदावरी और ग्राउंड रिपोर्ट तैयार कर जल्द से जल्द नुकसान का ब्यौरा शासन को भेजने के लिए कहा गया है।



रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड.... सरफराज के भाई मुशीर खान ने किया कमाल

मुंबई। रणजी ट्रॉफी में मुंबई के युवा ऑलराउंडर मुशीर खान ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। हरियाणा के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मुशीर ने शतक लगाने के साथ पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह 21वीं सदी में एक ही रणजी ट्रॉफी मैच में शतक और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1990-91 सत्र में रवि शास्त्री ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुशीर के शानदार प्रदर्शन से मुंबई ने पहली पारी में हरियाणा पर 160 रन की बढ़त हासिल की। मुंबई ने पहली पारी में 430 रन बनाए, जिसके जवाब में हरियाणा की टीम 270 रन पर सिमट गई। मुशीर ने 85 रन देकर छह विकेट झटके और हरियाणा के शुरुआती पांच विकेट भी अपने नाम किए।

हरियाणा पर फॉलोऑन का दबाव

मुंबई ने हरियाणा को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक हरियाणा ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 73 रन बना लिए थे। टीम अभी भी 87 रन पीछे थी और उसके आठ विकेट बाकी थे। मुशीर ने पिच के मिजाज पर कहा, 'पिच की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। हमारे स्पिनर उन जगहों पर गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां गेंद ज्यादा उछल रही है और टर्न मिल रहा है।'

हरियाणा की ओर से निशांत सिंधु ने संघर्ष करते हुए पहली पारी में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने 251 गेंदों का सामना किया और आठ चौके तथा एक छक्का लगाया। दूसरी पारी में भी वह 22 रन बनाकर नाबाद थे। सिंधु ने घरेलू मैदान पर टर्न लेती पिचों पर खेलने के अनुभव को उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'वहां लंबे समय से सीम की तुलना में गेंद ज्यादा स्पिन हो रही है। वहां खेलने के बाद यहां बल्लेबाजी करना आसान लगा।'

आईपीएल से भी सीखा टीम के लिए खेलना

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के आईपीएल शिविरों का हिस्सा रह चुके सिंधु ने बताया कि अनुभवी खिलाड़ियों से बातचीत ने उनकी सोच बदली है। उन्होंने कहा, 'जब आप युवा होते हैं, तो सोचते हैं कि यह मेरा खेल है और मैं इसे अपने तरीके से खेलूंगा। लेकिन एमएस धोनी और दूसरे खिलाड़ियों से बात करके मैंने हालात के हिसाब से टीम के लिए खेलना सीखा है।' मुंबई की नजर अब लगातार तीसरी जीत बोनस अंक के साथ हासिल करने पर थी। वहीं, मुशीर का ऑलराउंड प्रदर्शन टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ।



डबलिन एयरपोर्ट पर हुआ गलत व्यवहार श्रीलंकाई दिग्गज संगकारा भड़के

डबलिन। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने आयरलैंड के डबलिन एयरपोर्ट पर एयरलाइन कर्मचारियों के कथित व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई है। संगकारा ने आरोप लगाया कि रायनएयर के गेट स्टाफ ने उनके परिवार के साथ भेदभावपूर्ण और धमकी भरा व्यवहार किया। 48 वर्षीय पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने बुधवार, 28 अक्तूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना अनुभव साझा करते हुए इसे चौंकाने वाला और अस्वीकार्य बताया। एयरलाइन की ओर से इन आरोपों पर अभी तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।संगकारा ने एक्स पर रायनएयर के कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए दूसरे यात्रियों से भी अपने अनुभव साझा करने को कहा। उन्होंने लिखा, 'क्या डबलिन में किसी और यात्री को रायनएयर के भेदभावपूर्ण गेट स्टाफ का सामना करना पड़ा है? मेरे और मेरे परिवार के साथ अभी ऐसा ही हुआ और यह चौंकाने वाला था। बात करने का लहजा, प्रक्रिया को गलत तरीके से संभालना और धमकी भरा व्यवहार। किसी भी यात्री के साथ ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है।

स्मिथ की वापसी के लिए करना होगा दिसम्बर तक इंतजार

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा।

पिछले हफ्ते गकेबरहा में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 37 वर्षीय खिलाड़ी आगामी घरेलू सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस दौरान उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) जारी रहेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'पिछले हफ्ते गेबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द हुआ। बाद में एमआरआई स्कैन से 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की



सीमित हलचल के कारण, वह मौजूदा टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। स्टीव का इलाज और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट होकर वापसी करेंगे।'

स्मिथ के बाहर होने से जोश इंग्लिस के लिए टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता खुल गया। बुधवार को मिले इस मौके का उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद दबाव में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिस 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी की मदद से मेहमान टीम ने 330/4 का स्कोर बना लिया है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में एक रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली है।पिछले साल एशेज सीरीज के अंतिम मुकाबले के बाद यह इंग्लिस का पहला टेस्ट है। जल्दी सेट होने और दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता की उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू रेनशॉ ने तारीफ की।

बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइमः फैंस ने चुना सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!





लंदन, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस लंबे समय से जारी है। अब फैंस की वोटिंग में रोनाल्डो ने मेसी को पीछे छोड़ते हुए बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम (B.O.A.T.) का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी के 2008 के सीजन को बैलोन डी'ओर के इतिहास में किसी विजेता का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत सीजन चुना गया। वहीं, मेसी का 2012 का ऐतिहासिक सीजन दूसरे स्थान पर रहा।

बैलोन डी'ओर संगठन ने 2026 के गोल्डन बॉल पुरस्कार के नतीजे सामने आने के कुछ दिन बाद इस वोटिंग के परिणाम जारी किए। इंग्लैंड और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता था। हालांकि, बी.ओ.ए.टी का फैसला फैंस की वोटिंग के आधार पर हुआ।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 2007-08 के सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके दमदार खेल की बदौलत क्लब ने प्रीमियर लीग और यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 42 गोल किए और आठ असिस्ट दिए। इस दौरान उन्होंने कई बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार भी अपने नाम किए। वह प्रीमियर लीग के गोल्डन बूट विजेता बने और चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा, उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू भी जीता।रोनाल्डो को प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीजन, पीएफए प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर, एफडब्ल्यूए फुटबॉलर ऑफ द ईयर, यूईएफए क्लब फुटबॉलर ऑफ द ईयर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान भी मिले। इस तरह 2008 उनके करियर के सबसे यादगार वर्षों में शामिल हो गया। बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम की अंतिम रैंकिंग में रोनाल्डो और मेसी का पूरी तरह दबदबा रहा। शीर्ष 10 में इन दोनों के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। रोनाल्डो ने अपने पांच सीजन के दम पर सूची में जगह बनाई। इनमें 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 शामिल हैं। वहीं, मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन शीर्ष 10 में शामिल रहे।मेसी के नाम किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा बैलोन डी'ओर खिताब हैं, लेकिन इस खास वोटिंग में रोनाल्डो का 2008 का प्रदर्शन सबसे आगे रहा।

वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए बनाई रणनीति... तिलक ने किया खुलासा

भारत के टी-20 खिलाड़ियों को कोच गंभीर की दो टूक!

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी20 टीम का प्रदर्शन आगामी वनडे और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक, यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना होगा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और अब उसकी नजर क्लीन स्वीप पर है।

तिलक वर्मा ने बताया कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते।

तिलक ने कहा, 'इस स्तर पर हम बहाने नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे, जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'गौतम सर ने टीम बैठकों में स्पष्ट कर दिया कि यह लंबा दौरा है और टी20 टीम के तौर पर हम जो स्तर तय करेंगे, उससे वनडे और टेस्ट टीमों को भी गति मिलेगी।'

पांच पर बल्लेबाजी करने से बदला अंदाज

तिलक ने बताया कि नंबर तीन के बजाय पांच या छह पर बल्लेबाजी करने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता होने के बावजूद अब वह परिस्थितियों के अनुसार पारी आगे बढ़ाने पर ध्यान देते हैं उन्होंने कहा, 'मेरे पास पहले भी पावर गेम था और मैंने नंबर तीन पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने का मौका मिलता है, तो मैं उसका फायदा उठाने के बारे में सोचता हूं।' उन्होंने आगे बताया कि अगर पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का मौका नहीं मिलता, तो वह पारी को गहराई तक ले जाने पर ध्यान देते हैं। इस दौरान सिंगल और डबल लेकर गैप तलाशना उनकी रणनीति का हिस्सा होता है।

दबाव को बनाते हैं हथियार

तिलक ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह गेंदबाजों की मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हैं। उनके मुताबिक, आखिरी ओवरों में बल्लेबाज की तुलना में गेंदबाज पर ज्यादा दबाव होता है। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में यह सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज पर ज्यादा दबाव है और ऐसे में उससे रन देने की गलती हो सकती है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में नीतीश रेड्डी के साथ अहम साझेदारी पर तिलक ने बताया कि उन्होंने रेड्डी से कहा था, 'अगर हम यहां से मैच जिता देते हैं, तो बहुत मजा आएगा। मैदान पर टिके रहो, मैच को आखिर तक ले चलो और फिर देखते हैं कि क्या होता है।'

5-0 से सीरीज जीतने पर नजर

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से आगे है। तिलक ने कहा कि टीम के पास क्लीन स्वीप हासिल करने का शानदार मौका है और खिलाड़ी अगले मैच को जीतकर भारतीय प्रशंसकों को 5-0 की सीरीज जीत का मौका देना चाहते हैं।



टी20 सीरीज....न्यूजीलैंड को झटका!

भारत के खिलाफ आखिरी दो मैचों से बाहर हुए तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन



ऑकलैंड। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया है। भारत सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। चौथा टी20 मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाना है।

फर्ग्यूसन की पिंडली में लगी चोट

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि फर्ग्यूसन को हेग्ले ओवल में खेले गए दूसरे टी20 के दौरान दाहिनी पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराए गए स्कैन में हल्का मांसपेशियों का खिंचाव सामने आया। उन्हें वापसी के लिए लगभग एक सप्ताह और आराम की जरूरत होगी।न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'लोकी और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जब आपको मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है तो निराशा होती ही है।' वाल्टर ने उम्मीद जताई कि दोनों गेंदबाज चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल सकेंगे।

मैट हेनरी भी चोट से परेशान

न्यूजीलैंड के एक और तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी टी20 सीरीज से बाहर हैं। दूसरे मुकाबले के दौरान उनकी दाहिनी जांघ की मांसपेशियों में दर्द हुआ था। स्कैन में उन्हें भी हल्का खिंचाव होने की पुष्टि हुई है। उनके ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, हेनरी को पहले से तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वनडे सीरीज के लिए टीम में लौटना था। चोट के बावजूद वह वनडे सीरीज के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी की राह पर हैं। वाल्टर ने कहा, 'मैट को बाकी टी20 मुकाबलों से पहले ही आराम दिया जाना था, ताकि वह गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रह सकें। हमें उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे।'

जेमीसन भी वनडे सीरीज के लिए तैयार

टी20 टीम में गेंदबाजी कवर के तौर पर वेलिंगटन पहुंचे मैट फिशर अब सीरीज के बाकी मुकाबलों में फर्ग्यूसन की जगह लेंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को शामिल किया गया है, जो भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में खेलेंगे। वहीं, काइल जेमीसन तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वेलिंगटन में ही रहेंगे और शनिवार को कैंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेल सकते हैं। इसके बाद वह सोमवार को न्यूजीलैंड की टीम से जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा कि फर्ग्यूसन ईडन पार्क में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे सीरीज तक फिट होने पर है।

चौथे टी-20 में ईशान की होगी वापसी... नेट्स पर बहाया पसीना



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा। यह मुकाबला 30 अक्तूबर को खेला जाएगा। मैच से पहले बीसीसीआई ने ऑकलैंड से प्रैक्टिस की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में ईशान किशन भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिख रहे हैं। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि उनकी अगले टी20 में प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा और शिवम दुबे भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'ईडन पार्क, ऑकलैंड। चौथे टी20 से पहले मैच रेडी होते हुए खिलाड़ी।' तस्वीरों में तिलक शॉटस लगाते दिख रहे हैं। वहीं, कोच गौतम गंभीर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी के गुर सिखाते दिखे। नेट्स के दौरान वैभव ईशान किशन के साथ मस्ती मजाक भी करते दिखे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं स्काउट्स-गाइड्स, जल-जंगल बचाने में निभाएं अहम भूमिका - राज्यपाल

लोकभवन में 1122 स्काउट्स-गाइड्स को राज्यपाल ने प्रदान किए राज्य पुरस्कार, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्काउटर-गाइडर भी सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जल और जंगल को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। स्काउट्स एवं गाइड्स पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और वनों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही हैं।

राज्यपाल रमेन डेका लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर से चयनित 1122 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने की।

प्रतिभागी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें

राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स का आदर्श वाक्य तैयार रहो हमें विषम परिस्थितियों का सामना करने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करना गर्व की बात है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। सभी प्रतिभागी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें और अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बनें।

कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है

राज्यपाल श्री डेका ने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने



के लिए बस्तर क्षेत्र से आए स्काउट्स एवं गाइड्स की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में शांति स्थापित हुई है और क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समय को पहचानना और निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

स्काउटिंग जीवन भर सेवा की प्रेरणा देती है - शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नियम और प्रतिज्ञाएं इसके सदस्यों को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। स्काउटिंग की वर्दी अनुशासन, सेवा और समर्पण के मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से जुड़ा व्यक्ति जीवनभर सेवा के भाव के साथ कार्य करता है। राज्यपाल के हाथों प्राप्त सम्मान प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि है और उन्हें आगे भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने प्रदेश के अधिक से अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में प्रदेशभर से चयनित 405 स्काउट्स, 528 गाइड्स, 64 रोवर्स और 125 रेंजर्स को राज्यपाल रमेन डेका के हाथों राज्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ स्काउटर योगेश्वर प्रसाद गांगुली (बालोद), सर्वश्रेष्ठ गाइडर तनुजा बंजारे एवं लता वैष्णव (महासमुंद), सर्वश्रेष्ठ रोवर राजमणि बंजारे एवं चंद्रशेखर पंकज, सर्वश्रेष्ठ रेंजर कुमारी विभूति वर्मा एवं कुमारी कृति बिजौर, सर्वश्रेष्ठ स्काउट ईश साहू, हरीश कुमार खोटे एवं राजवीर भट्ट तथा सर्वश्रेष्ठ गाइड दिव्या पटेल एवं दीप्ति पटेल को सम्मानित किया गया। स्काउटिंग के क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवाओं के लिए शैलेंद्र मिश्रा, आनंद राम बघेल, पवन कुमार नायक, विनोद कुमार हथेल, शशि बंछोर और रजनी रेड्डी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान पीपिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई। इसमें लोकभवन में पदस्थ एडीसी श्री उदित पुष्कर (आईपीएस) को रैंक बैज लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव अमित कुमार क्षत्रिय, कार्यक्रम प्रभारी शैलेंद्र मिश्रा, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त डॉ. पूनम सिंह साहू, राज्य संगठन आयुक्त जलवती साहू, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) सरिता पांडे सहित संगठन के पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

ग्रामीण पत्रकारिता को मिलेगी नई पहचान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दो विश्वविद्यालयों के बीच हुआ एमओयू



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ग्रामीण अंचलों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और युवाओं को पत्रकारिता के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर और गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) के बीच ग्रामीण पत्रकारिता को सशक्त बनाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस साझेदारी से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में पत्रकारिता शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और ग्रामीण पत्रकारिता ही जमीनी वास्तविकताओं को समाज के सामने लाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के साझा प्रयासों से ऐसे पत्रकार तैयार किए जाएंगे, जो संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों के साथ ग्रामीण जापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस साझेदारी से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में पत्रकारिता शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रशांत बोकारे ने इस समझौते को ग्रामीण पत्रकारिता के संवर्धन और उन्नयन की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। समझौता ज्ञापन पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री सुनील कुमार शर्मा तथा गोंडवाना विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद सरफराज अंसारी ने हस्ताक्षर किए।

एमओयू के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से संगोष्ठियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे। ये गतिविधियां ऑफलाइन, ऑनलाइन और हाइब्रिड माध्यमों से संचालित होंगी, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी, शिक्षक और पत्रकार भी इनका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही संयुक्त शोध, प्राध्यापक आदान-प्रदान, छात्र इंटर्नशिप और सामुदायिक रेडियो के माध्यम से ग्रामीण संचार व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस शैक्षणिक साझेदारी से ग्रामीण युवाओं को आधुनिक पत्रकारिता की तकनीकों से परिचित होने, व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने और स्थानीय मुद्दों को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनजातीय जीवन से जुड़े विषयों को पत्रकारिता की मुख्यधारा में अधिक स्थान मिल सकेगा। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मोहंती, डॉ. नृपेन्द्र शर्मा और डॉ. आशुतोष मंडावी सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत विगत तीन वर्षों में 6,836 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के लिए विगत तीन वर्षों में कुल 6,836.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। मिशन के अंतर्गत एकल ग्राम एवं समूह जलप्रदाय योजनाओं सहित अन्य मदों में नियमानुसार भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है। जल जीवन मिशन के राज्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत तीन वर्षों में एकल ग्राम योजनाओं के अंतर्गत 4,985.35 करोड़ रुपये तथा समूह जलप्रदाय योजनाओं के अंतर्गत 1,690.94 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार सपोर्ट मद में 136.18 करोड़ रुपये तथा जल गुणवत्ता जांच संबंधी कार्यों के लिए 24.04 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर उनकी आदमकद प्रतिमा का किया गया अनावरण

शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा का नाम अब अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर होगा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल माध्यम से सरगुजा अंचल में आयोजित जनजातीय समाज के महान जननायक, प्रख्यात अभियंता एवं पूर्व सांसद बाबा कार्तिक उरांव के जन्मशताब्दी समारोह में शामिल होकर उनकी भव्य आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर का नामकरण अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का जीवन शिक्षा, संघर्ष, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और समाज तथा राष्ट्र की सेवा करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सीतापुर क्षेत्र को अधोसंरचना विकास की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए सोनतराई से सूर तक लगभग 3.82 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के निर्माण पर 28 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इसके निर्माण से सीतापुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा तथा व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा नवनिर्मित महिला एनजीओ मेस भवन, उदयपुर में 12 अराजपत्रित अधिकारी आवास एवं 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवास और थाना सीतापुर में 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवासीय भवनों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों और जवानों को बेहतर आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इन नवीन भवनों से पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि बाबा कार्तिक उरांव केवल जनजातीय समाज के महान नेता ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी विचारक, उच्च शिक्षित अभियंता और समाज के अधिकारों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज में शिक्षा के प्रसार, सामाजिक जागरूकता, संगठन और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने उस समय उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जब जनजातीय समाज के लिए शिक्षा के अवसर अत्यंत सीमित थे। उन्होंने इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की और विदेश में भी उच्च अध्ययन कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। उनकी यह उपलब्धि पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज में परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त साधन बनाया। उनका विश्वास था कि शिक्षा, संगठन और जागरूकता के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए विकास की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने जनजातीय समाज को अपनी परंपराओं, संस्कृति और मूल पहचान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने समाज को संगठित करने के साथ नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और शिक्षा के बल पर विपरीत परिस्थितियों में भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने लोकसभा सांसद के रूप में जनजातीय समाज की समस्याओं और अधिकारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली ढंग से उठाया। उन्होंने जनजातीय समुदाय के संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक हितों और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि बाबा कार्तिक उरांव ने धर्मांतरण के बाद जनजातीय आरक्षण एवं अन्य संवैधानिक सुविधाओं के लाभ से जुड़े विषयों को भी संसद में प्रमुखता से उठाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का मानना था कि जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराएँ, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विरासत उसकी मूल पहचान हैं। इनका संरक्षण करते हुए समाज को शिक्षा, तकनीक और आधुनिक विकास के अवसरों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी के अवसर पर जनजातीय समाज और क्षेत्रीय सांसद द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर का नाम उनके नाम पर रखने का आग्रह किया गया है। जनजातीय समाज की भावनाओं और बाबा कार्तिक उरांव के ऐतिहासिक योगदान का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने इस आग्रह को स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव स्वयं एक प्रतिभाशाली अभियंता थे। इसलिए उनके नाम पर इंजीनियरिंग संस्थान का नामकरण विशेष महत्व रखता है। यह संस्थान न केवल तकनीकी शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि यहाँ अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को बाबा कार्तिक उरांव के संघर्ष, उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और समाज के प्रति समर्पण से प्रेरणा भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त करने वाले युवा अपनी प्रतिभा, ज्ञान और तकनीकी दक्षता के माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हों।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा कार्तिक उरांव की भव्य आदमकद प्रतिमा के अनावरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक वर्ष पूर्व इस प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया था और आज यह संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने इस कार्य के लिए अंबिकापुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा नगरवासियों के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जनजातीय महापुरुषों ने समाज को जागरूक करने, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके जीवन और संघर्ष की गाथाएँ नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी का दायित्व है। महापुरुषों की प्रतिमाएँ केवल स्मृति के प्रतीक नहीं होतीं, बल्कि वे समाज को उनके आदर्शों, विचारों और योगदान का निरंतर स्मरण कराती हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि एक दिन पूर्व ही सरगुजा अंचल के प्रसिद्ध जनजातीय नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का उनके गृहग्राम चिरई जसवंतपुर में अनावरण किया गया है। उन्होंने काका कि काका लरंग साय और बाबा कार्तिक उरांव जैसे महान जननायकों का जीवन जनसेवा, सामाजिक उत्थान और जनजातीय समाज के सशक्तीकरण के लिए समर्पित रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के महानायकों की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने तथा उनके विचारों और योगदान से नई पीढ़ी को परिचित कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे प्रयास समाज में अपनी गौरवशाली विरासत के प्रति सम्मान और आत्मगौरव की भावना को और मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सीतापुर में फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी आधुनिक, सुरक्षित और सुदृढ़ अधोसंरचना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेहतर सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार होता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सीतापुर में सोनतराई से सूर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के लगभग 3.82 किलोमीटर लंबे हिस्से को फोरलेन बनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य पर 28 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। सड़क के चौड़ीकरण से सीतापुर के लगभग पूरे शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सीतापुर क्षेत्र सरगुजा अंचल का महत्वपूर्ण व्यापारिक और आवागमन केंद्र है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक शासकीय कार्यों, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और हाट-बाजार के लिए यहाँ आते हैं। फोरलेन सड़क के निर्माण से इन सभी लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय बाजारों तक पहुँच आसान होगी और क्षेत्र में रोजगार तथा आर्थिक विकास के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि अधोसंरचना विकास का लाभ केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि छोटे नगरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को भी समान रूप से प्राप्त हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित विभिन्न भवनों के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में पुलिस अधिकारियों और जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से पुलिस विभाग की आवासीय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने महिला एनजीओ मेस भवन, उदयपुर में 12 अराजपत्रित अधिकारी आवास एवं 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवास और थाना सीतापुर में 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवासीय भवनों का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सुविधाओं से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर आवासीय वातावरण मिलेगा तथा वे और अधिक उत्साह एवं मनोबल के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

मुलाकात बस्तर, कांकेर, कोंडागांव और पिथौरा से आई युवतियों की लगन और आत्मविश्वास की सराहना की

सत्य साईं अस्पताल में सेवा दे रहीं छग की बेटियों से मिले वित्त मंत्री चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सत्य साईं अस्पताल में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों बस्तर, कांकेर, कोंडागांव और पिथौरा से आईं उन बेटियों से मुलाकात की, जो यहां सेवा दे रही हैं। उनसे मिलकर श्री चौधरी ने उनकी लगन और आत्मविश्वास को सराहा और कहा कि उन्हें देखकर गर्व का अनुभव हुआ।

इस अवसर पर श्री चौधरी ने अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिलें, यह जरूरी है। श्री चौधरी ने बताया कि नवा रायपुर में आ रहे नए संस्थानों में भी प्रदेश के युवाओं को प्राथमिकता दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए संस्थानों और प्रबंधन के साथ



संवाद इसी दिशा में महत्वपूर्ण है।

वित्त मंत्री चौधरी ने नवा रायपुर में राज्योत्सव 2026 की तैयारियों का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आज नवा रायपुर में राज्योत्सव 2026 के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित आगमन को लेकर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने नवा रायपुर स्थित सत्य साई हॉस्पिटल, विकसित भारत संकल्प पार्क (पीपल वन) तथा तूता गांव क्षेत्र का दौरा कर कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित, सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली परंपराओं और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का प्रस्तावित आगमन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां आपसी समन्वय के साथ समय-सीमा में पूरी की जाएं, ताकि आयोजन में शामिल होने वाले अतिथियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नवा रायपुर के विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर चल रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने आयोजन स्थलों की साफ-सफाई, आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा तथा आगंतुकों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थलों पर नागरिकों के सुगम आवागमन और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव प्रदेशवासियों के लिए गौरव और उत्साह का अवसर है। ऐसे में आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तैयारियों की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी स्तर पर कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव के दौरान प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और विकास की



उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के साथ आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से आयोजन की तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ चंदन कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सरकार किसानों से किया वादा पूरा कर रही है

छत्तीसगढ़ में धान की खेती सबसे ज्यादा होती है,धान से ही किसानों को सबसे ज्यादा आय होती है। राज्य के चुनाव में जीत के लिए किसानों को अहम माना जाता है, इसलिए चाहे सत्तारूढ़ दल हो या विपक्ष दोनों को किसानों की चिंता ज्यादा रहती है। वह अपने आचार विचार से बताते-जताते रहते हैं कि वह किसानों के लिए कितने चिंतित हैं।हर साल नवंबर में धान खरीदी होती है और हर साल धान खरीदी की घोषणा होते ही विपक्ष की राजनीति शुरू हो जाती है।कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम साय ने घोषणा की है कि इस साल 15 नवंबर से 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से धान खरीदी की जाएगी।प्रति एकड़ अधिकतम 29 क्विंटल की सीमा तय की गई है यह भी कहा गया है कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान के बदले अन्य फसल लेने पर आदान सहायता अब प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ 15 हजार रुपए दी जाएगी। इस साल 27 .50 लाख किसानो से धान खरीदा जाएगा।

धान खरीदी की घोषणा के साथ ही यह भी बताया गया है कि धान खरीदी को सुगम व पारदर्शी बनाने के लिए पिछले साल पंजीकृत व एग्रीस्टेक आईडी वाले सभी किसानों का पंजीयन मान्य होगा,उन्हें दोबारा पंजीयन कराने या समिति में ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता नहीं होगी। धान खरीदी बायोमेट्रिक प्रणाली से होगी। 360 नए केंद्र खुलने के बाद धान खरीदी केंद्रों की कुल संख्या 3100 हो जाएगी।हर साल सरकार धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए व्यवस्था करती है।लेकिन हर बार प्रशासनिक लापरवाही के कारण कहीं न कहीं किसानों को दिक्कत तो होती ही है। धान खरीदी के लिए हर साल मांग की जाती है कि नए धान खरीदी केंद्र खोले जाएं ताकि किसानों को धान बेचने के लिए दूर न जाना पड़े और किसी तरह की दिक्कत न हो। इसलिए इस साल सरकार ने 360 नए केंद्र खोलने का फैसला किया है तो इसे किसानों के हित में लिया गया फैसला माना जा सकता है।

भाजपा ने पिछला चुनाव किसानों के हित का वादा करके जीता और कांग्रेस से सत्ता छीनी थी।यानी चुनाव में भाजपा ने जो वादा किया उस पर किसानों ने भरोसा किया और भाजपा को चुनाव जिताया और कांग्रेस पर भरोसा न करके संदेश दिया कि वह भले कहती रहे कि किसान हितैषी है लेकिन किसान ऐसा नहीं मानते हैं जो सत्ता में रहता है वह किसान हितैषी है, इसका प्रमाण से हर साल किसानों के हित में कुछ न कुछ फैसला करके देना पड़ता है। सरकार जब भी ऐसा करती है तो कांग्रेस नेता उसे किसानों के हितों को विरोध बताने का प्रयास करते हैं, यह बताने का प्रयास करते हैं कि किसानों को जितना पैसा धान का मिलना चाहिए सरकार नहीं दे रही है।धान खरीदी की घोषणा के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का बयान आया है कि धान खरीदी में प्रति क्विंटल की जगह प्रति एकड़ के हिसाब से सत्तारूढ़ दल का साय कैबिनेट का फैसला किसानों के साथ धोखा है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि किसानों को 3100 रुपए की बजाय 3358 रुपए प्रति क्विंटल एकमुश्त भुगतान किया जाना चाहिए।

दीपक बैज का कहना है कि धान का समर्थन मूल्य हर साल बढ़ने का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है।उनका कहना है कि 2023-24 में धान पर 917 रुपए प्रति क्विंटल आदान सहायता मिलती थी,24-25 मे 800 रुपए मिली,25-26 में 731 रुपए मिली और २26-27 में घटकर यह 659 रुपए रह गई है।तीन साल कुल 258 रुपए प्रति क्विंटल कमी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भूल गए हैं कि जब भूपेश सरकार ने 2500 रुपए क्विंटल धान खरीदने का फैसला किया था तो तब हर साल धान का समर्थन मूल्य बढ़ता था लेकिन भूपेश सरकार 2500 में बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य जोड़कर पैसा नहीं देती थी, इस हिसाब से तो पिछली सरकार जैसा करती थी,वैसा ही साय सरकार भी कर रही है और कह रही है कि 3100 प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा था वैसा किया जा रहा है।

साय सरकार ने किसानो से जो कहा वैसा किया भी है।कांग्रेस भले ही यह कहती रहे कि साय सरकार किसानों को धान का कम पैसा दे रही है लेकिन किसान जानते हैं कि भूपेश सरकार के समय उनको जितना मिलता था आज उससे ज्यादा मिल रहा है और एकमुश्त मिल रहा है।केंद्र का समर्थन मूल्य 2369 रुपए है,राज्य सरकार 3100 रुपए में खरीदती है तो अंतर की राशि होती है 731 रुपए प्रति क्विंटल।साय सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदती है तो प्रति एकड़ 15351रुपए होता है।साय सरकार ने अभी यही तो घोषणा की है कि किसानों को क्विंटल की जगह प्रति एकड़ भुगतान किया जाएगा। पुरानी व्यवस्था के हिसाब से देखा जाए तो पहले प्रति एकड़ 14 क्विंटल धान खरीदा जाता तो आज के हिसाब से 10234 रुपए मिलते जबकि नई व्यवस्था के हिसाब से 15351 रुपए मिल रहे हैं।सरकार ने किसानों से कहा है कि यदि वह धान की जगह अन्य फसल लेते हैं तो उनके प्रति एकड़ आदान सहायता 15000 रुपए दी जाएगी यह भी किसानो के लिए फायदे की ही बात है। धान का भी 15 हजार रुपए मिलता है और अन्य फसल का भी 15 हजार मिलेगा।

त्योहारों के बीच सियासी टकराव : व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे?

सौरभ वार्ष्णेय

देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रौनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए?

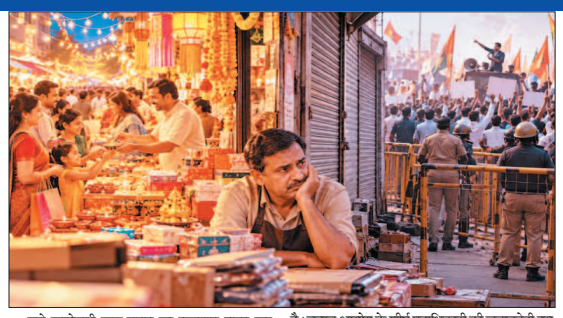

एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की जवाबदेही का सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ व्यापारी वर्ग चाहता है कि त्योहारों के समय उसका कारोबार बाधित न हो। इस परिस्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए?

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं कि सरकार ने जानबूझकर ऐसा राजनीतिक पेच खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े।

इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम परेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। चुनाव आयोग के शीर्ष पदाधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए और उनकी मांग पूरी होने पर आंदोलन समाप्त हो सकता है, राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण विषय है। यदि विपक्ष का दावा है कि चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं, तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग को भी अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का इस्तीफा मांगना और उसे तत्काल स्वीकार कराना दो अलग अलग बातें हैं। चुनाव आयोग के प्रमुख का पद किसी राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं हो सकता। उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और पद से हटाने की प्रक्रिया कानून तथा संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह कहना कि केवल इस्तीफा होते ही तीस सेकंड में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक वक्तव्य तो हो सकता है, लेकिन इसे समस्या के समाधान की गारंटी नहीं माना जा सकता।

यदि वास्तविक उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है, तो समाधान पारदर्शी जांच, तथ्यों के सार्वजनिक स्पष्टीकरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं के पालन में तलाशना होगा। केवल इस्तीफे की मांग पर अड़े रहना या बिना जवाब दिए मांग को खारिज कर देना, दोनों ही स्थितियां राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा सकती हैं। व्यापारी किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। बाजारों में काम करने वाले लाखों लोगों के सामने किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद और बैंक की किस्तों जैसी जिम्मेदारियां होती हैं। त्योहारों के समय बिक्री प्रभावित होने का नुकसान केवल दुकान के मालिक को नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे परिवार और कर्मचारियों को भी उठाना पड़ता है। इसलिए व्यापारिक संगठनों की मांगों को गंभीरता से सुनना सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है। यदि रैली या आंदोलन के लिए स्थान, समय और मार्ग में बदलाव करके व्यापारिक गतिविधियों को सुरक्षित रखा जा सकता है, तो ऐसा करने में किसी पक्ष को राजनीतिक हार नहीं माननी चाहिए।सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का संतुलन बनाए रखना चाहिए। विपक्ष को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार इस्तेमाल करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी रणनीति से आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन को भी निष्पक्ष भूमिका निभाते हुए यातायात, सुरक्षा और बाजारों के संचालन के लिए स्पष्ट व्यवस्था करनी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यापारियों को अपने पक्ष में खड़ा करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करें। व्यापारिक संगठनों को भी अपनी मांगें स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए और राजनीतिक विवादों में किसी एक पक्ष का औजार बनने से बचना चाहिए। एक नवंबर की रैली और आंदोलन को लेकर यदि कोई विवाद है, तो संबंधित पक्षों के बीच तत्काल बातचीत होनी चाहिए। रैली के समय और स्थान का ऐसा निर्धारण किया जा सकता है, जिससे विरोध का लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहे और त्योहारों का कारोबार भी प्रभावित न हो। इसके साथ ही चुनाव आयोग से जुड़े सवालों पर तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक संवाद होना चाहिए।

लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी विपक्ष का जिम्मेदार आचरण भी है। विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन जनता के हितों की रक्षा करना उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी भी है। इसी प्रकार सरकार को भी आलोचना को दबाने के बजाय उसका उत्तर देना चाहिए। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि राजनीतिक संघर्ष के बीच भी जनता के हित सर्वोपरि रहें।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में है, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है।

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर आखिर क्या बदला?

महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि जनता के विश्वास, राजनीतिक दलों की लोकप्रियता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता की कसौटी भी हैं। जब चुनाव परिणामों को लेकर विवाद होता है, तब मतदान की प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगते हैं। पिछले कुछ समय से इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की विश्वसनीयता को लेकर राजनीतिक बहस चल रही है। विपक्ष के कई नेता बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों के लिए बैलेट पेपर से हुए चुनावों ने एक बार फिर इस बहस को तेज कर दिया है। सवाल यह है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर आखिर क्या बदला? क्या इससे चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता साबित हुई, क्या राजनीतिक समीकरण बदले या केवल आरोप-प्रत्यारोप का एक नया अवसर मिला?

23 अक्टूबर 2026 को चार राज्यों में विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों के लिए मतदान हुआ। इन चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों के स्थान पर मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया। मतगणना के दौरान भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों ने कई सीटों पर सफलता प्राप्त की। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति मजबूत की, जबकि बिहार में जन सुराज पार्टी ने भी विधान परिषद में अपना खाता खोला। कांग्रेस को शुरूआती परिणामों में किसी सीट पर सफलता नहीं मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी स्थिति का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक टिप्पणी की और सवाल किया कि बैलेट पेपर से हुए चुनावों में पार्टी कितनी सीटें जीत पाई। इस टिप्पणी ने मतदान प्रणाली को लेकर चल रही बहस को फिर चर्चा में ला दिया।

हालाँकि, अंतिम परिणामों ने इस राजनीतिक चर्चा को एक नया मोड़ दिया। महाराष्ट्र के नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से पराजित कर दिया। इस सीट पर मतगणना लंबी चली और दूसरी वरीयता के मतों की गणना के बाद परिणाम सामने आया। नागपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय होने के साथ-साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृह क्षेत्र भी है। ऐसे क्षेत्र में कांग्रेस की जीत ने भाजपा के लिए राजनीतिक चुनौती खड़ी की। इससे स्पष्ट होता है कि चुनाव के शुरूआती रुझानों और अंतिम परिणामों में अंतर हो सकता है। इसलिए पूरी मतगणना समाप्त होने से पहले किसी दल की जीत या हार का अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है।

इन चुनावों से पहला बदलाव मतदान के तरीके में दिखाई दिया। इलेक्ट्रॉनिक मशीनों के स्थान पर मतपत्रों का उपयोग किया गया और मतदाताओं ने अपनी पसंद के उम्मीदवार के पक्ष में मतपत्र पर निर्धारित तरीके से वरीयता दर्ज की। लेकिन केवल मतदान का माध्यम बदलने से मतदाताओं की राजनीतिक पसंद नहीं बदल जाती। मतदाता किसी उम्मीदवार को उसकी लोकप्रियता, राजनीतिक विचारधारा, स्थानीय कामकाज, संगठन की सक्रियता और अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद के आधार पर चुनते हैं। इस दृष्टि से बैलेट

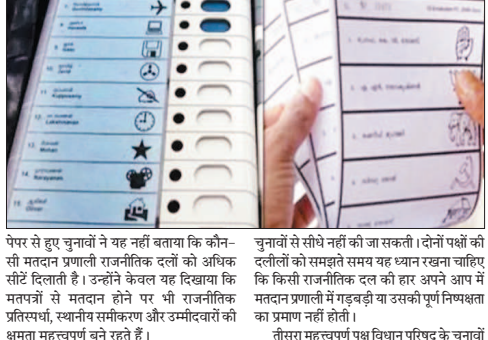

पेपर से हुए चुनावों ने यह नहीं बताया कि कौन-सी मतदान प्रणाली राजनीतिक दलों को अधिक सीटें दिलाती है। उन्होंने केवल यह दिखाया कि मतपत्रों से मतदान होने पर भी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, स्थानीय समीकरण और उम्मीदवारों की क्षमता महत्त्वपूर्ण बने रहते हैं।

दूसरा बदलाव राजनीतिक बहस में दिखाई दिया। विपक्ष लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता रहा है। ऐसे में बैलेट पेपर से हुए चुनावों के परिणामों को भाजपा ने विपक्ष की दलीलों के जवाब के रूप में प्रस्तुत किया। उसका तर्क रहा कि जब मतपत्रों से चुनाव हुए, तब भी कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, विपक्ष यह कह सकता है कि विधान परिषद के सीमित निर्वाचन क्षेत्रों के परिणामों की तुलना लोकसभा और विधानसभा चुनावों से सीधे नहीं की जा सकती। दोनों पक्षों की दलीलों को समझते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी राजनीतिक दल की हार अपने आप में मतदान प्रणाली में गड़बड़ी या उसकी पूर्ण निष्पक्षता का प्रमाण नहीं होती।

तीसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष विधान परिषद के चुनावों का स्वरूप है। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में सामान्य मतदाताओं के बजाय निर्धारित पात्रता वाले मतदाता मतदान करते हैं। इन क्षेत्रों में शिक्षकों, शिक्षाविदों और पंजीकृत स्नातकों की समस्याएँ चुनावी निर्णय को प्रभावित करती हैं। उम्मीदवारों का व्यक्तिगत संपर्क, स्थानीय संगठन, शिक्षा संबंधी मुद्दे और मतदाताओं के बीच उनकी विश्वसनीयता विशेष भूमिका निभाते हैं। इसलिए इन चुनावों को पूरे देश के मतदाताओं की राजनीतिक पसंद का प्रतिनिधि मानना उचित नहीं होगा। लोकसभा चुनावों में मतदाताओं का दायरा कहीं अधिक व्यापक होता है और राष्ट्रीय नेतृत्व, महँगाई, रोजगार, कृषि, सुरक्षा तथा शासन जैसे मुद्दे भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

ब प्रश्न उठता है कि क्या बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर चुनावी पारदर्शिता बढ़ जाती है? इसका उत्तर केवल चुनाव परिणाम देखकर नहीं दिया जा सकता। मतपत्रों के माध्यम से मतदान में मतदाता अपनी पसंद कागज पर दर्ज करता है। इससे मतों की भौतिक जाँच की सुविधा मिल सकती है, लेकिन मतपत्रों की छपाई, सुरक्षित परिवहन, भंडारण, मतगणना और अमान्य मतों का निर्धारण जैसी चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। दूसरी ओर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों में तकनीकी सुरक्षा, निर्धारित जाँच, सुरक्षित रखरखाव और प्रक्रिया की निगरानी महत्त्वपूर्ण होती है। किसी भी प्रणाली की विश्वसनीयता उसके सुरक्षा उपायों, पारदर्शिता और शिकायतों के निष्पक्ष निवारण पर निर्भर करती है।

यह भी समझना जरूरी है कि मतदान प्रणाली और चुनावी निष्पक्षता एक-दूसरे से जुड़े होने के बावजूद अलग-अलग विषय हैं। निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची की शुद्धता, उम्मीदवारों को समान अवसर, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, मतदाताओं की स्वतंत्रता, चुनाव अधिकारियों की निष्पक्षता और मतगणना की विश्वसनीयता भी आवश्यक हैं। यदि इन पहलुओं में कोई कमी हो, तो केवल बैलेट पेपर अपना आप में हर समस्या का समाधान नहीं बन सकता। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों के इस्तेमाल मात्र से हर चुनाव स्वतः निष्पक्ष सिद्ध नहीं हो जाता। किसी भी आरोप का निर्णय राजनीतिक बयानबाजी के बजाय प्रमाणों और निर्धारित जाँच प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए।

कांग्रेस के लिए इन चुनावों का परिणाम संगठनात्मक आत्ममंथन का अवसर है। पार्टी को यह समझना होगा कि केवल मतदान प्रणाली पर सवाल उठाने से मतदाताओं का समर्थन प्राप्त नहीं होता। स्थानीय नेतृत्व, प्रभावी उम्मीदवारों का चयन, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से नियमित संवाद भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। दूसरी ओर, भाजपा को भी इन परिणामों को अपनी राजनीतिक श्रेष्ठता का अंतिम प्रमाण मानने से बचना चाहिए। अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में मिली सफलता और असफलता को उनके स्थानीय संदर्भ में ही समझना चाहिए।

अंततः, बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर मतदान का माध्यम बदला, लेकिन लोकतंत्र की मूल कसौटियाँ नहीं बदलीं। मतदाता का विश्वास, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, पारदर्शी मतगणना और परिणामों की विश्वसनीयता आज भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। नागपुर में कांग्रेस की जीत यह भी बताती है कि शुरूआती रुझान अंतिम निर्णय नहीं होते और चुनावी मुकाबले में अंतिम मतगणना तक प्रतीक्षा करनी चाहिए।

इसलिए असली सवाल यह नहीं है कि बैलेट

सर्दियों में आपकी सेहत



इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है।



खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।

- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।
- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुछ कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नींबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नींबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय



सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौड़ना, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन



सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्तव पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन



- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ



स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफोंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

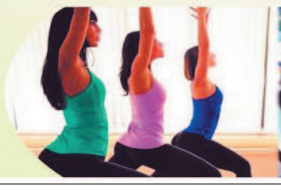



एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।



उदिति सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही



बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डॉगी को भी गलत तरीके से ट्रीट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूं, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदिति सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पेटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।



उदिति के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदिति से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदिति के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदिति के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।



एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, ''दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।'' प्रिया ने कहा, ''शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।

म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी



बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावां' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जवेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं। उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है।

कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।





'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे यश!

'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म के प्रोड्यूसिंग पार्टनर यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग अब कर्नाटक में फिल्म की रिलीज की जिम्मेदारी संभालेगा। रावण बनकर बड़े पर्दे पर छाने की तैयारी कर रहे रॉकिंग स्टार यश का 'रामायण' से जुड़ाव अब माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्केल पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्रू' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्रू' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, ''नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूं?)' यह एक सवाल है जो चंद्रू को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्रू से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुष्टि, जारा विनीत वांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागड्डा और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सौम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमेटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हेरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है मॉन्स्टर

लखोली मुक्तिधाम में गौशाला पिंजरा पोल और चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने चलाया वृहद वृक्षारोपण अभियान

मुक्तिधाम परिसर में नीम, पीपल, बरगद सहित विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे लगाए गए

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पर्यावरण संरक्षण तथा शहर को प्रदूषण मुक्त एवं हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से नगर निगम के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाएं भी आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में लखोली मुक्तिधाम में गौशाला पिंजरा पोल एवं छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव सहित शहर के अनेक जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने पौधरोपण किया नक्शे देखें



वृक्षारोपण अभियान के दौरान मुक्तिधाम परिसर में नीम, पीपल, बरगद सहित विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे लगाए गए। इस अवसर पर महापौर के साथ गौशाला पिंजरा पोल के अध्यक्ष खूबचंद पारख, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, पूर्व मंडी उपाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, उद्योगपति दामोदरदास मुंदड़ा, स्टेडियम समिति के सचिव रमेश पटेल, निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष कमलेश बैद, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद लड्ढा, प्रदेश मंत्री तरुण लहरवानी, उपाध्यक्ष ज्ञानचंद बाफना व भीमन धनवानी सहित महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य, पार्षदगण तथा व्यापारी संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पौधरोपण के बाद महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि हमारा संकल्प केवल शहर के अधोसंरचनात्मक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनांदगांव को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाना भी हमारी मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही हम शहर में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर सकते हैं। गौशाला पिंजरा पोल द्वारा संचालित यह मुक्तिधाम पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। महापौर ने आह्वान किया कि हम सभी केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें विशाल वृक्ष बनने तक उनकी देखरेख करने का संकल्प लें।

गौशाला पिंजरा पोल के अध्यक्ष खूबचंद पारख ने कहा कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स और गौशाला पिंजरा पोल का यह संयुक्त प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी और सफल रहा। इस पुनीत कार्य में सभी सदस्यों और समाजसेवियों का उत्साह और समर्पण देखकर मन अभिभूत है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों में आम जनता और व्यापारियों का सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों व नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

डोंगरगढ़ में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की लचर प्रगति पर सीएमएचओ सख्त, बीएमओ सहित अधिकारियों को थमाया नोटिस

राजनांदगांव। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने डोंगरगढ़ विकासखंड का दौरा कर वहां संचालित सभी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की मैराथन समीक्षा बैठक ली। इस दौरान स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति उदासीनता और निराशाजनक प्रदर्शन पर कड़ा रुख अपनाते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक और बीईटीओ को भी कार्य में लापरवाही बरतने के चलते नोटिस थमाया गया है। सीएमएचओ डॉ. नवरतन ने जननी सुरक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान, टीबी मुक्त भारत अभियान, किशोरी बालिकाओं की एचबी व सिकल सेल स्क्रीनिंग, तथा आरबीएसके कार्यक्रम के अब तक के कामकाज की एक-एक बिंदु पर समीक्षा की। शत-प्रतिशत लक्ष्य के निर्देश : सभी मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपने वार्षिक लक्ष्यों के विरुद्ध शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें और अनिवार्य रूप से अपने मुख्यालय में रहकर पूरी निष्ठा से कर्तव्यों का पालन करें। बैठक में डोंगरगढ़ विकासखंड के बीएमओ के अनुपस्थित रहने और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रति बरती जा रही उदासीनता को बेहद गंभीरता से लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा, निराशाजनक प्रदर्शन पर विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक और बीईटीओ को भी नोटिस दिया गया है।

खास खबर

मोबाइल ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर की जाएगी परिवार के सदस्यों की गणना



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जनगणना 2027 के अंतर्गत जिला पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य निदेशालय रायपुर के संयुक्त निदेशक दीपक बी. गोदे एवं सहायक निदेशक कविन्द्र कुमार रंगारी ने जनगणना की प्रक्रिया, दिशा-निर्देशों एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से गणना करने की विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण में बताया गया कि जनवरी से फरवरी 2027 के दौरान प्रगणकों द्वारा पूर्व में किए गए मकान सूचीकरण कार्य के आधार पर निर्धारित गणना ब्लॉकों में घर-घर जाकर परिवार के सदस्यों की गणना मोबाइल ऐप के माध्यम से की जाएगी। जनगणना के दौरान एकत्रित आंकड़े पूर्णतः गोपनीय रखे जाएंगे तथा इनका उपयोग किसी अन्य कार्य के लिए नहीं किया जाएगा। इस दौरान विदेशों से आए व्यक्तियों, बेघर परिवारों एवं घुमन्तु व्यक्तियों की पहचान कर उनकी भी गणना की जाएगी। गणना का कार्य 28 फरवरी 2027 की मध्यरात्रि तक पूर्ण किया जाएगा। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य के लिए नियुक्त चार्ज अधिकारी एवं सहायक चार्ज अधिकारियों के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों के तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों सहित जनगणना कार्यालयों के जनगणना लिपिकों एवं तकनीकी सहायकों ने भाग लिया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना संबंधी दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए निर्देश पुस्तिका प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा में त्रुटिरहित एवं व्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

13 दिसंबर को बेमेतरा में साहू समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन, पंजीयन शुरू, रंगीन परिचायिका पत्रिका का होगा प्रकाशन

बेमेतरा। साहू समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए 13 दिसंबर 2026 को बेमेतरा में परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ, पंजीयन क्रमांक 33/61 से संबद्ध जिला साहू संघ बेमेतरा द्वारा आयोजित इस सम्मेलन के लिए पंजीयन शुरू हो गया है। यह जानकारी जिला अध्यक्ष नारद साहू ने दी। उन्होंने बताया कि पंजीयन के लिए युवक की आयु 21 वर्ष तथा युवती की आयु 18 वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। इच्छुक प्रतिभागियों को 300 रुपये शुल्क, दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, आवेदन और बायोडाटा जिला साहू संघ में जमा करना होगा।

सम्मेलन में पंजीकृत प्रतिभागियों के बायोडाटा संकलित कर रंगीन परिचायिका पत्रिका प्रकाशित की जाएगी। इसका विमोचन सम्मेलन के मंच पर होगा। पत्रिका में प्रदेश साहू संघ पंजीयन क्रमांक 33/61 से संबद्ध सदस्यों के विज्ञापन भी प्रकाशित किए जाएंगे। विज्ञापन शुल्क फुल पेज के लिए 3,500 रुपये, हाफ पेज के लिए 2,000 रुपये और क्वार्टर पेज के लिए 1,000 रुपये निर्धारित किया गया है। जिला अध्यक्ष नारद साहू ने जिला, तहसील, परिक्षेत्र, ग्रामीण एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से अधिकाधिक युवक-युवतियों का पंजीयन कराने तथा पत्रिका प्रकाशन में सहयोग देने की अपील की है। उन्होंने सामाजिक बंधुओं से सामूहिक सहभागिता के साथ सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

जिला स्तरीय युवा संसद चौंपियनशिप 3 नवंबर को

कवर्धा। विकसित भारत युवा संसद 2027 के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा संसद चौंपियनशिप का आयोजन 3 नवंबर 2026 को शासकीय पीजी महाविद्यालय, कवर्धा में किया जाएगा। मेरा युवा भारत, कवर्धा और शासकीय पीजी महाविद्यालय, कवर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में युवा एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

जिले के तहसील कार्यालय में बनेगा प्रतिक्षालय महापौर मधुसूदन यादव ने किया भूमिपूजन

नागरिकों और वकीलों को मिलेगी बैठने की उत्तम सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



शासन की स्वीकृति अनुसार नगर निगम द्वारा शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ अधोसंरचना विकास के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में डीएमएफ मद के अंतर्गत 10 लाख रुपए की लागत से तहसील कार्यालय परिसर में निर्मित होने वाले प्रतिक्षालय के लिए महापौर मधुसूदन यादव ने भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में निगम आयुक्त जीआर मरकाम, एसडीएम गौतम पाटिल, पार्षद प्रमोद झंझाड़े और जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष नारायण कन्नोजे सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण विशेष रूप से उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि जिला अधिवक्ता संघ और अधिवक्ताओं की मांग को प्राथमिकता पर रखते हुए इस प्रतिक्षालय का निर्माण कराया जा रहा है। इसके बन जाने से तहसील कार्यालय आने वाले वकीलों, पक्षकारों और आम नागरिकों को बैठने के लिए एक उचित व सर्वसुविधायुक्त स्थान मिल सकेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नागरिकों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कर समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके।

समारोह के दौरान अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव, सचिव संतोष रजक, पूर्व नामांकित पार्षद झम्मन देवांगन, वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक शुक्ला, जेएस गरचा, एमएल साहू, कामदेव वर्मा, अनिल फुटान, राकेश दुबे, पंकज गुप्ता, अशोक श्रीवास, राजकुमार चंदेल, श्रीमती हेमलता पाण्डे, मनीष वर्मा, टोपेश देवांगन, अभ्यास यादव, सुनील मिश्रा, किरीट ढीवर, विनोद शेण्डे और उपभोक्ता फोरम के पूर्व सदस्य सुनील बाजपेयी मौजूद थे। इसके अलावा निगम के प्रभारी कार्यपालन अधिवंता प्रणय मेश्राम, प्रभारी सहायक अभियंता सुषमा साहू तथा उप अभियंता श्रीमती पिंकी खाती सहित निगम के अन्य अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर परिषद की बैठक में विकास कार्यों को मिली मंजूरी रोड, नाली, विद्युतीकरण व पाइपलाइन विस्तार पर फैसला

राजनांदगांव। नगर निगम स्थित महापौर कक्ष में महापौर मधुसूदन यादव की अध्यक्षता में महापौर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास और जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर गहन चर्चा के बाद मुहर लगाई गई। इनमें सड़कों, नालियों के निर्माण, विद्युतीकरण, पाइपलाइन विस्तार तथा निगम स्वामित्व की दुकानों के नवीन प्रीमियम दरों का अनुमोदन शामिल है। **अधोसंरचना व विकास कार्यों को गति :** महापौर मधुसूदन यादव ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि 15वें वित आयोग के तहत विभिन्न वार्डों में विद्युतीकरण, सड़क, नाली निर्माण और इंटरलॉकिंग कार्यों को मंजूरी दी गई है। अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लखोली-कन्हारपुरी से मोहारा बाईपास तक 208 .32 लाख तथा रेवाड़ीह चौक से गोकुल नगर तक नाला निर्माण के लिए 250 .00 लाख की आहुत निविदा में प्राप्त न्यूनतम दरों की अनुशंसा की गई। इसके अलावा, जिला अस्पताल के पास से महामाया चौक और महाजन बाड़ी से स्टेशन पारा तक 250 एमएम डाया डीआई पाइपलाइन विस्तार के लिए न्यूनतम दरों की स्वीकृति दी गई। **दुकानों के आरक्षण और प्रीमियम दरों पर फैसला :** बैठक में निगम स्वामित्व वाली संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए पुराना गंज मंडी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, रेलवे स्टेशन रोड के नवीन व्यावसायिक परिसर की दुकानों के आरक्षित मूल्य व आरक्षण पर निर्णय लिया गया। साथ ही टांकाघर व्यावसायिक परिसर की दुकानों और यातायात नगर स्थित रिक्त भूखंडों के निर्धारित नवीन प्रीमियम दरों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। **सामाजिक सुरक्षा और पेंशन योजनाओं को मंजूरी :** सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही जाति प्रमाण पत्र के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक अनुशंसा की गई। बैठक में महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, बीना ध्रुव, शैकी बग्गा, केवरा विजय राय, वर्षा शरद सिन्हा, आलोक श्रोती, डीलेश्वर प्रसाद साहू व राजा माखीजा के साथ निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, आयुक्त जीआर मरकाम, कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे सहित निगम के संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना बनी कुमारी बाई के लिए मुश्किल घड़ी में सहारा



सफलता की कहानी : पति के निधन के बाद कुमारी बाई को मिली 2 लाख रूपए की बीमा सहायता राशि

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना वित्तीय परिस्थितियों में जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन रही है। यह योजना परिवार के सदस्य के असामयिक निधन के बाद आश्रितों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना श्रीमती कुमारी बाई महिलांगे के जीवन में भी मुश्किल घड़ी में राहत की उम्मीद जगी है। उन्हें पति स्वर्गीय शत्रुहन महिलांगे के निधन के बाद प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख रूपए की बीमा सहायता राशि प्राप्त हुई है।

राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम लिटिया निवासी श्रीमती कुमारी बाई महिलांगे ने बताया कि उनके पति स्वर्गीय शत्रुहन महिलांगे के निधन के बाद दुख के साथ आर्थिक कठिनाइयां भी उत्पन्न हो गई थी। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना उनके परिवार के लिए सहारा बनी। उन्हें बैंक के माध्यम से आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 2 लाख रूपए की बीमा सहायता राशि प्राप्त हुई। इस सहायता राशि से परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करने में राहत मिली। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत प्राप्त बीमा राशि ने आर्थिक संबल प्रदान किया। श्रीमती कुमारी बाई महिलांगे ने विपरित परिस्थितियों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पात्र व्यक्तियों को बैंक के माध्यम से 436 रूपए वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रूपए का जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत पात्र बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर नामांकित व्यक्ति को 2 लाख रूपए की बीमा राशि प्रदान की जाती है। यह योजना जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल दे रही है।

बैगा समुदाय की 26 एकड़ जमीन पर कब्जे का आरोप, एसडीएम से कार्रवाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

जिले के पंडरिया विकासखंड के ग्राम चियाडांड में बैगा समुदाय की करीब 26.89 एकड़ कृषि भूमि पर कथित कब्जे और धान की फसल काटने का मामला सामने आया है। इस संबंध में आदिम जाति बैगा समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष ईतवारी राम मछिया ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया को आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

खेत में धान काटने और धमकी देने का आरोप

शिकायत के अनुसार, ग्राम चियाडांड निवासी कामदार बैगा की कृषि भूमि पर कब्जे और फसल काटने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदन में भूमि से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध होने का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि 23 अक्टूबर 2026 को मोहन, मुन्ना और जोगी नामक व्यक्तियों ने खेत में धान काटा।

शिकायतकर्ता पक्ष ने विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी देने का भी आरोप लगाया है। आवेदन में कहा गया है कि पुलिस को सूचना देने और समझाइश दिए जाने के बावजूद 24 अक्टूबर को संबंधित व्यक्ति दोबारा खेत में पहुंचे और धान काटने का प्रयास किया। समाज ने इन आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

बैगा समाज ने दी आंदोलन की चेतावनी

प्रदेश अध्यक्ष ईतवारी राम मछिया ने कहा कि बैगा समुदाय की जमीन, सम्मान और अधिकारों की रक्षा समाज की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रशासन से भूमि संबंधी दस्तावेजों और शिकायत में बताए गए तथ्यों की जांच कर समयबद्ध कार्रवाई करने की मांग की। मछिया ने कहा कि बैगा समुदाय के किसी भी परिवार की जमीन पर कब्जा करने या उसे हड़पने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होने पर पूरा बैगा समाज एकजुट होकर लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आंदोलन करेगा।



प्रशासन से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग

बैगा समाज ने प्रशासन से मामले में उचित कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज प्रमुख बड़ू सड़िया, प्रदेश सलाहकार गौदु बरगिया और जिला उपाध्यक्ष सेमलाल पड़िया सहित समाज के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्रवाई

अक्टूबर माह में 17.11 किलोग्राम गांजा जब्त, 6 आरोपी गिरफ्तार और 2 वाहन किए गए जब्त

नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की जिला स्तरीय बैठक ली। कलेक्टर ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की रोकथाम एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की।

उन्होंने नशीले पदार्थों के अवैध विक्रय एवं तस्करी के विरूद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूलों एवं महाविद्यालयों को नशामुक्त बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने तथा युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने कहा। बैठक में बताया गया कि माह अक्टूबर 2026 में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 4 प्रकरणों में 17.11 किलोग्राम गांजा, 2 हजार 990 रूपए नगद एवं 2 वाहन जब्त किए गए तथा 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कलेक्टर ने स्वापक एवं मनः प्रभावी औषधियों के अनधिकृत व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा अवैध विक्रय के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं को नशे से दूर रखने एवं खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक खेल कैलेंडर तैयार करने तथा खेल गतिविधियों में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने जेल में निरूद्ध नशे के आदी व्यक्तियों में नशीले पदार्थों के सेवन बंद होने से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं उनके समुचित प्रबंधन के लिए जेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सितम्बर 2026 में 65 मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। जिले के कुल 723 मेडिकल स्टोर्स में से 720 में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशामुक्ति केन्द्र में वर्तमान में नशे के आदी 9 व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा है। विभाग द्वारा नशे के विरूद्ध आयोजित 2 जनजागरूकता कार्यक्रमों में 550 लोगों ने सहभागिता की।

आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश के संबंध में समय-सारणी जारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर द्वारा ऑनलाईन आरटीई के माध्यम से निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 अंतर्गत 2027-28 हेतु निजी विद्यालयों में प्रवेश की कार्रवाई के संबंध में समय-सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी अनुसार आगामी शिक्षा सत्र 2027-28 में विद्यालयों में प्रवेश की कार्रवाई संपन्न कराई जाएगी। इसके अंतर्गत स्कूल प्रोफाईल अपडेट, नया स्कूल रजिस्टेशन, हेबिटेशन मैपिंग का कार्य 2 नवम्बर से 25 नवम्बर 2026 तक किया जाएगा।

नोडल प्राचार्य, डीईओ द्वारा स्कूल प्रोफाईल का सत्यापन एवं सीट प्रकटीकरण का कार्य 2 नवम्बर से 28 नवम्बर 2026 तक किया जाएगा। प्रवेश हेतु छात्रों द्वारा ऑनलाईन आवेदन 1 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2026 तक लिया जाएगा। नोडल प्राचार्य द्वारा दस्तावेज का सत्यापन एवं आवेदनों में कमी होने पर आवेदनों से आवश्यक संशोधन 1 दिसम्बर 2026 से 7 जनवरी 2027 तक कराया जाएगा। राज्य स्तर से जिलावार लॉटरी का कार्य 11 जनवरी एवं 12 जनवरी 2027 को किया जाएगा। चयनित आवेदनों का दाखिला 14 जनवरी से 10 फरवरी 2027 तक किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के पहल से ऐतिहासिक स्कूल का होगा संरक्षण

दुर्ग के जेआरडी में बनेगा 270 सीटर ऑडीटोरियम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



दुर्ग गांधी चौक स्थित शहर के सबसे पुराने एवं ऐतिहासिक जेआरडी मल्टीपरपस स्कूल के संरक्षण और शैक्षणिक उन्नयन को लेकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विगत दिनों शिक्षा विभाग एवं आरईएस के अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किये थे। उस पर शासन ने पहल करते हुए जेआरडी में 270 सीटर ऑडीटोरियम बनाने 01 करोड़ 34 लाख की राशि की स्वीकृति प्रदान किया गया है।

देश की आजादी से पूर्व स्थापित इस विद्यालय से दुर्ग शहर की कई पीढ़ियों की भावनात्मक स्मृतियाँ जुड़ी हुई हैं। वर्षों से यह विद्यालय न केवल शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है, बल्कि शहर की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की वर्तमान स्थिति, आवश्यक मरम्मत, संरचनात्मक मजबूती तथा उसके मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के विषय में शिक्षक और इंजिनियरो से विस्तृत चर्चा की गई।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जेआरडी स्कूल केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि दुर्ग शहर की विरासत और पहचान है। इस विद्यालय से हजारों विद्यार्थियों ने शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां से पढ़कर निकले विद्यार्थी आज देश-प्रदेश के अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। खेल, साहित्य, पत्रकारिता, कला, पुलिस, सेना, राजनीति एवं प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने दुर्ग का नाम गौरवान्वित किया है। स्वयं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव भी इसी विद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं, जिसके कारण इस संस्था से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव है।

विद्यालय परिसर स्थित ऐतिहासिक हॉल वर्षों तक दुर्ग शहर की प्रमुख गतिविधियों का केंद्र रहा है। उस समय जब शहर में बड़े सभागारों का अभाव था, तब अनेक महत्वपूर्ण शासकीय प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामाजिक आयोजन इसी हॉल में आयोजित होते थे। शहर के नागरिकों एवं प्रशासनिक व्यवस्था से इस हॉल का गहरा संबंध रहा है। आरईएस विभाग के इंजीनियरों ने जानकारी दी कि प्रशासकीय स्वीकृति के अंतर्गत प्रथम चरण में 82 लाख जारी की गई है, स्कूल में बनने वाला नया ऑडीटोरियम शिक्षा विभाग के अनुरूप सुसज्जित किया जाएगा तथा इसमें अटैच बाथरूम सहित आवश्यक सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा।

जेआरडी स्कूल में सुपर-30 योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत ठएएळ एवं खएए जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विशेष कोचिंग, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है। दुर्ग एवं आसपास के विद्यार्थियों को बड़े शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो रही है, ग्रामीण एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को भी बेहतर अवसर मिल रहा है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शासकीय विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जेआरडी स्कूल का संरक्षण एवं विकास न केवल एक भवन का नवीनीकरण होगा, बल्कि दुर्ग शहर की ऐतिहासिक शैक्षणिक धरोहर को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

दुर्ग में बाल विवाह प्रतिषेध पर कार्यशाला
कानूनी पहलुओं पर दिया गया प्रशिक्षण



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडे और जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में प्रेरणा सभा कक्ष दुर्ग में बाल विवाह प्रतिषेध कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कानूनी जानकारी के लिए अतिथि वक्ता के रूप में डीएसपी भारती मरकाम और अधिवक्ता विभा मिश्रा मौजूद रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पांडे ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग पोषण और महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का भी कार्य करता है। उन्होंने (स्पेशल एडॉप्शन एजेंसी), (सेंट्रल एडॉप्शन रेगुलेटिंग एजेंसी), जुवेनाइल जस्टिस एक्ट आदि पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सचिवों और पर्यवेक्षकों को फील्ड में आ रही समस्याओं को सामने लाने के निर्देश दिए।

डीएसपी भारती मरकाम ने अभिव्यक्तिऐप, गुमशुदगी, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न और पॉक्सो एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अपने आसपास घटित अपराध की जानकारी जानबूझकर थाने में न देना भी अपराध की श्रेणी में आता है। बाल संरक्षण अधिकारी कार्तिक मजूमदार ने बाल कल्याण समिति और बालगृह के बारे में बताया, वहीं अधिवक्ता विभा मिश्रा ने केस स्टडी के माध्यम से कानूनी जानकारी दी। आईसीपीएस की टीम ने पीपीटी के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, दत्तक ग्रहण, फास्टर केयर, स्पॉन्सरशिप आदि पर चर्चा की। सचिव संघ के अध्यक्ष निमेश भोई ने कहा कि ग्राम पंचायत में सचिव सभी विभागों से समन्वय कर काम करते हैं और आज का प्रशिक्षण सभी के लिए लाभदायी रहा। कार्यक्रम में सीडीपीओ दुर्ग ग्रामीण उषा झा, सीडीपीओ दुर्ग शहरी अनीता सिंह, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई और दुर्ग शहरी की सभी पर्यवेक्षक, रक्षा टीम, आईसीपीएस टीम और ग्राम सचिवों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विशेष रूप से किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण, बाल विवाह विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने, शालात्यागी बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

करवाचौथ पर सिलिंडर ब्लास्ट, बाल-बाल बचा परिवार



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के मरारपारा में करवा चौथ के दिन बड़ा हादसा टल गया। प्रसाद तैयार करने के बाद अचानक गैस सिलिंडर में जोरदार ब्लास्ट हो गया।

जानकारी के अनुसार, महिला जैसे ही प्रसाद बनाकर किचन से दूसरे कमरे में गई, तभी सिलिंडर में धमाका हो गया। धमाके के बाद किचन में भीषण आग लग गई, जिससे किचन का सारा सामान जलकर खाक हो गया। राहत की बात यह रही कि घर में मौजूद सभी 6 सदस्य सुरक्षित बच गए। आग लगते ही परिजनों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन दमकल के पहुंचने से पहले ही आस-पास के लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पा लिया। आग की चपेट में आने से किचन में रखे सभी बर्तन जलकर स्वाहा हो गए। फिलहाल आग लगने की सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दे दी गई है।

भिलाई चेम्बर के "आया त्योहार चलो बाजार" अभियान को मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा त्योहारों पर स्थानीय बाजारों को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे "आया त्योहार चलो बाजार" अभियान को शहर में बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। यह जनजागरूकता अभियान शहर सहित कुम्हारी क्षेत्र में जोर-शोर से जारी है।

महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में आम नागरिकों, विशेषकर स्कूली बच्चों को जागरूक किया जा रहा है कि ऑनलाइन शॉपिंग के बजाय स्थानीय बाजारों से खरीदारी करें, जिससे बाजारों की रौनक बढ़े और स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिले। अभियान के तहत स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को स्थानीय खरीदारी का महत्व समझाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बाजार जाकर खरीदारी से न केवल व्यापारियों को लाभ मिलता है, बल्कि स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है।

कुम्हारी क्षेत्र की होलसेल सब्जी मंडी में व्यापारियों ने अपनी समस्याएं अजय भसीन के सामने रखीं। महामंत्री ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समाधान के लिए पहल की। शाम के समय बाजारों में पहुंचे ग्राहकों का लड्डू खिलाकर स्वागत किया गया। त्योहारी सुरक्षा को देखते हुए आज से जवाहर मार्केट में 20 से अधिक गार्डों की व्यवस्था की गई है, जो दीवाली तक लगातार तैनात रहेंगे।

प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि यह अभियान केवल खरीदारी को प्रोत्साहित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय व्यापार, व्यापारियों के सम्मान और बाजारों की परंपरा को मजबूत करना भी इसका उद्देश्य है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहार पर स्थानीय बाजारों से खरीदारी कर व्यापारियों का सहयोग करें।

अभियान में सरोजनी पाणिग्रही, पूर्णिमा नंदी, माधुरी पराशर, निरंकार सिंह, लकी सोनी सहित अनेक सदस्य सक्रिय रहे। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

पावर हाउस मार्केट में त्योहारी व्यवस्था के लिए स्वदेशी व्यापारी मंच ने सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ती भीड़ और व्यापारियों की सुविधा को देखते हुए स्वदेशी व्यापारी मंच के प्रदेश संयोजक अजय भसीन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह और एएसपी शोभराज अग्रवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने पावर हाउस मार्केट में प्रकाश व्यवस्था, नियमित सफाई, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग रखी। अधिकारियों ने आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

प्रमुख निर्णय और आश्वासन

प्रकाश व्यवस्था: त्योहारी सीजन में मार्केट की लाइट व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी, ताकि शाम और रात में ग्राहकों को सुविधा मिले।

नियमित सफाई: बाजार में दिन में दो बार सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई की जाएगी।

पार्किंग व्यवस्था: सभी दुकानदारों और उनके स्टाफ से अपने वाहन निर्धारित पार्किंग में रखने की अपील की गई है, ताकि ग्राहकों को पार्किंग मिल सके। ओवर ब्रिज के नीचे पार्किंग सुव्यवस्थित की जाएगी।

सुरक्षा: बाजार में व्यवस्था के लिए 20 से अधिक गार्ड तैनात किए गए हैं।

अतिक्रमण पर कार्रवाई: निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि दुकानदार दुकान के बाहर सामान रखकर व्यवस्था बाधित न करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई होगी। स्वदेशी व्यापारी मंच के प्रदेश संयोजक अजय भसीन ने कहा कि त्योहारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ जाती है, ऐसे में सुव्यवस्थित बाजार से ग्राहकों को सुविधा और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल में ओमप्रकाश शर्मा, मांगी लाल सोनी, मनोहर कृष्णानी, विनय सिंह, चिन्ना राव, राजकुमार जायसवाल, प्रेमरत्न गहलोत सहित अनेक व्यापारी शामिल थे। जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

गांव में विवाद करने वाले दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में शांति व्यवस्था भंग करने और गांव में लड़ाई-झगड़ा कर लोगों को परेशान करने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। खैरागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खजरी में विवाद और अशांति फैलाने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को पकड़कर थाने लाया और उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इसके बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। ग्राम खजरी में विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम खजरी में दो व्यक्तियों द्वारा लड़ाई-झगड़ा कर आसपास के लोगों को परेशान करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने की सूचना मिली थी।

गंगरेल में संकट के बीच मददगार बनी ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन की टीम

धमतरी। गंगरेल जलाशय में अचानक बदले मौसम और तेज लहरों के बीच संकट में फंसे एक मछुआरे के लिए गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की टीम मददगार साबित हुई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए ग्राम बरारी निवासी बबलू निषाद को सुरक्षित उनके गांव पहुंचाया। संकट की इस घड़ी में टीम की सक्रियता, स्थानीय लोगों की सूचना और जिला प्रशासन के सहयोग से एक संभावित हादसे को गंभीर परिणामों में बदलने से बचाने में मदद मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बरारी निवासी बबलू निषाद पेशे से मछुआरे हैं। बीते दिनों वे लकड़ी चुनने के लिए नाव से ठेमली आइलैंड गए थे। इसी दौरान मौसम में बदलाव और हवा की गति बढ़ने से जलाशय में लहरें तेज हो गईं।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100